पर अथवा उप-प्रधानाचार्य के रूप में पदोन्नति पर किसी भी पी०जी०टी० को केन्द्रीय विद्यालय संगठन में उसके क्षेत्र तथा भाषाक्षेत्र से बाहर नियुक्त किया जाता है।

(घ) जी, हां।

(ङ) केन्द्रीय विद्यालय संगठन के शासी बोर्ड संसद सदस्यों, शिक्षक संगठनों तथा व्यक्तियों से प्राप्त सुझावों के आधार पर इस बात से सहमत हो गया है कि पी०जी०टी० और उप-प्रधानाचार्य के रूप में पदोन्नत किए गए शिक्षकों को या तो क्षेत्र से बाहर या भाषा क्षेत्र के बाहर नियुक्त किया जाएगा। यह 1.5.89 से प्रभावी होगा।

राजस्थान में प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र

1804. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में कितने प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र हैं तथा उनमें से कितने केन्द्रों को केन्द्रीय सरकार से अनुदान प्राप्त हो रहा है;

(ख) ये केन्द्र किन-किन स्थानों पर हैं और उनमें प्रत्येक वर्ष कितने रोगियों का उपचार किया जाता है; और

(ग) इस वर्ष इस प्रकार के कितने केन्द्र खोलने का विचार है तथा किन-किन स्थानों पर?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) और (ख) राजस्थान मे प्राकृतिक चिकित्सा के कुल कितने केन्द्र हैं इसके बारे में सरकार को कोई जानकारी नहीं है। केन्द्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने प्राकृतिक चिकित्सा में अनुसंधान करने के लिए विगत काल में दो संस्थानों को आर्थिक सहायता दी थी (विवरण–I) (नीचे देखिये)।

इन संस्थाओं में उपर्युक्त अनुसंधान योजनाओं के अन्तर्गत स्वीकृत पलंगों पर भरती किए गये रोगियों की संख्या का एक विवरण संलग्न है (विवरण–II) (नीचे देखिये)।

(ग) केन्द्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद का फिलहाल स्वयं कोई प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र खोलने का प्रस्ताव नहीं है। प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र गंगाशहर, बीकानेर, जयपुर ने परिषद से इस योजना को एक वर्ष तक और बताने का आवेदन किया है। इसके अलावा सोभाग प्राकृतिक यौगिक उपचार एवं अनुसंधान केन्द्र, अजमेर ने सहायता अनुदान देने के लिए परिषद के विचारार्थ "रक्तचाप, मधुमेह, दमा व मोटापा के उपचार तथा बीमारियां की रोकथाम एवं स्वास्थ्य संवर्धन की यौगिक और प्राकृतिक चिकित्सा की विधियों की प्रभावकारिता का अध्ययन" नामक एक अनुसंधान उन्मुख योजना प्रस्तुत की है।

विवरण–I

संस्थान का नाम	योजना का नाम	शुरु होने की तारीख	समाप्त होने की तारीख
1. प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल, बापूनगर, जयपुर	पौष्टिक उपचारात्मक और निवारक पहलुओं पर प्राकृतिक विधियों की प्रभावकारिता का सामान्य अध्ययन	16-12-1981	15-12-1984

संस्थान का नाम	योजना का नाम	शुरू होने की तारीख	समाप्त होने की तारीख
2. राजस्थान, प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र, पो. गंगाशहर, बीकानेर	दमा और पोलियो के कारणों व परिचर्या में अनुसंधान	1.1.1882	30.12.1984

विवरण–II

अनुसंधान-उन्मुख योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत पर्लगों पर भरती किए गये रोगी

संस्थान का नाम	वर्ष			
	1981–82	1982-83	1983-84	1984-85
1. प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल, बापूनगर, जयपुर				
(क) सी.एच०जी०आई० टी० विकार	14	26	25	21
(ख) सी०एच० संधिशोथ	3	14	12	7
(ग) मोटापा	3	4	7	7
(घ) त्वचा संबंधी विकार	0	2	2	2
(ङ) अन्य	1	4	5	1
	21	50	51	38
2. राजस्थान प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र बीकानेर				
पोलिया	5	3	2	1
दमा	100	118	108	96
	105	121	110	97

Lapses in the functioning of ICHR

1805. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that out of 93 Research Projects financed between 1978-79 and 1983-84, 75 remained incomplete and in 69 cases, statement of account and utilisation certificates were not received and out of 564 fellowships awarded 137 were not covered under the rules;

(b) whether a number of other lapses in the functioning of ICHR have also been reported;